प्रेरणापुंज

अमरावती, बुधवार, दि. ३१ मे २०२३

राष्ट्रीय विधायक सम्मेलन में जुटेंगे चार हजार विधायक

मुंबई में १५ से १७ जून तक भव्य आयोजन, होंगे ४० सत्र

एमआइटी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट, पुणे का उपक्रम

अमरावती, ३१ मई: लोकतंत्र में नीति निर्माण, विधायिका को मजबूती, सदन में विधायकों की भूमिका और कार्य व्यवहार सहित ४० विषयों पर मंथन के लिए देशभर के विधायक महाराष्ट्र के मुंबई में जुटेंगे. पहली बार मुंबई के जीकेसी में १५ से १७ जून तक राष्ट्रीय विधायक सम्मेलन भारत आयोजित किए जाएगा. जिसमें २००० विधायकों के शामिल होने की उम्मीद है. अभी तक २५०० विधायक नामांकन करा चुके है. ऐसी जानकारी अमरावती नगर निगम के पूर्व महापौर चेतन गावंडे और एमआईटी राष्ट्रीय सरपंच संसद के मुख्य समन्वयक योगेश पाटिल ने एक संवाददाता सम्मेलन में दी. साथ ही उन्होंने अपील की कि राज्य के सभी दलों के विधायक इस बैठक में भाग लें और हमारे लोकतंत्र को मजबूत करने में अपना योगदान दें. इस समय एमआईटी संसद के राष्ट्रीय सरपंच हैं सह-समन्वयक प्रकाश महाले, अभय खेडकर गजानन मिरगे, प्रफुल्ल वानगावकर और नितिन राजवैद्य उपस्थित थे. इस सम्मेलन को लेकर विधायकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है. राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय व्यापक सतत विकास के केंद्रीय विचार के साथ आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन समारोह १६ जून को होगा. इसके अलावा ४० समानांतर सत्र और गोलमेज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे.

भारत की लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, डॉ. मीरा कुमार, शिवराज पाटिल चाकुरकर, मनोहर जोशी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस बैठक के मार्गदर्शक और आयोजक हैं. एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट के संस्थापक अध्यक्ष राहुल विश्वनाथ कराड के दिमाग की उपज राष्ट्रीय विधायक सम्मेलन भारत की अवधारणा की कल्पना की गई थी. इस बैठक के मुख्य आयोजन समन्वयक है. इस बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद के उपसभापति डॉ. नीलम गोऱ्हे, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रामराजे नाइक निंबालकर और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दिलीप वलसे पाटिल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है.

सम्मेलन में सार्वजनिक जीवन में तनाव प्रबंधन, पेज २ पर

जनसंपर्क विभाग, माईर्स एमआयटी, पुणे.